परिशिष्ट-2

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी एक्स्टर्नल

भाग-2

(2022-2023, 2023-2024, 2024-2025 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -6 भाषा–विज्ञान एवम् हिंदी भाषा Core Course-6 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक -प्रकार्य. भाषा- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

इकाई-2. व्याकरण- रूप-प्रकिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।
अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन, साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

इकाई-3. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई-4. हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार।
हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।

इकाई-5. हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, यांत्रिक भाषा। संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।
कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग- आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक-विभाजनः

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 से दो टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी

Date: 06/05/2022

4. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
6. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
7. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
9. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
10. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
11. पालि भाषा और साहित्य-इंद्रचंद्र शास्त्री
12. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)
13. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
14. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)
15. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)
16. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
17. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
18. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
19. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==========

प्रश्नपत्र –7 हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-7 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1 इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य।
हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई- 2 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,
राम और कृष्ण-काव्य, राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई- 3 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई- 4 हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।
भारतेन्दु और उनका युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्य-धारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि, छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

Date: 06/05/2022

हिंदी उपन्यास-प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग,प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)।

इकाई- 5 (अ) हिंदी कहानी-

20 वीं सदी की हिंदी कहानी,प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार।

नाटक- हिंदी नाटक का विकास- स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तरयुग एवम् नया नाटक,

प्रमुख नाट्यकृतियाँ एवम् नाटककार (वर्ष 2000 तक)।

हिंदी निबंध-प्रमुख निबंधकार।

(ब) आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।

हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।

अन्य विधाएँ- संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज का विकास ।

अंक-विभाजनः

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)

इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. मोरिशस में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास-डॉ.श्यामधर तिवारी
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
12. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग-डॉ.नामवर सिह
13. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
14. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
15. हिंदी साहित्य : इतिहास और प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवकुमार शर्मा

==========

प्रश्नपत्र - 8 भारतीय साहित्य Core Course-8 (Total Marks –100)

पाठ्य-पुस्तकें :

1. मछुआरे (चेम्मीन)-तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम उपन्यास) प्रकाशक –साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. श्री राधा- रमाकांत रथ (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)
3. राधा - इला आरब महेता (गुजराती उपन्यास) हर्ष प्रकाशन, अहमदाबाद
4. आनंदमठ - बंकिमचंद्र (बंगाली उपन्यास) प्रकाशक- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. मछुआरे (चेम्मीन) – तकषी शिवशंकर पिल्लै

तकषी शिवशंकर पिल्लै का व्यक्तित्व और कृतित्व,

'मछुआरे' के पात्र-परीक्कुट्टि, करुतम्मा, पलनि,चेम्पनकुंजु एवम् चक्कि का चरित्र- चित्रण,

Date: 06/05/2022

'मछुआरे' में पिल्लै की यथार्थवादी विचारधारा, 'मछुआरे' में चित्रित समाज,
'मछुआरे' की कथन-शैली में मिथ और भाषा का प्रयोग।
'मछुआरे' में अभिव्यक्त मछुआरा जीवन।

इकाई 2. श्री राधा- रमाकांत रथ

रमाकांत रथ का परिचय, 'श्री राधा' का मूल प्रतिपाद्य, 'श्री राधा' का काव्य-स्वरूप,
'श्री राधा' की पात्र-सृष्टि-राधा और श्रीकृष्ण, 'श्री राधा' में अभिव्यक्त प्रेम की एकांतिक स्थिति।

इकाई-3. राधा – इला आरब महेता :

'राधा': पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास ।

'राधा': जीवन संघर्ष की कथा, 'राधा' वात्सल्य प्रेम की करुण कथा,

'राधा' उपन्यास की पात्र-सृष्टि, 'राधा' में अभिव्यक्त मनःस्थिति का चित्रण,

'राधा' का कथा-शिल्प।

इकाई-4. आनंदमठ - बंकिमचंद्रः

बंकिमचंद्र- औपन्यासिक यात्रा का परिचय।

'आनंदमठ' का मूल प्रतिपाद्य, 'आनंदमठ' में अभिव्यक्त क्रांतिकारी,

'आनंदमठ' में अभिव्यक्त संन्यासी आंदोलन और बंगाल का अकाल,

'आनंदमठ' की पात्र-सृष्टि, 'आनंदमठ' राजनीतिक उपन्यास के रूप में,

'आनंदमठ' में अभिव्यक्त देश-भक्ति।

इकाई- 5 . (अ) भारतीय साहित्य -

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ,
भारतीयता का समाजशास्त्र।

(ब) भारतीय साहित्य की समस्याएँ-

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
तुलनात्मक साहित्य का परिचय।

अंक-विभाजनः

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) से दो टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
2. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
3. गुजराती नवलकथा मां पात्र-निरूपण-रमेश दवे
4. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
5. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्रामकेन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
6. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
7. बंगला साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य अकादमी, दिल्ली
8. कला, साहित्य और संस्कृति-ई-एम.एस.नम्बूदरीपाद
9. भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
10. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
11. भारतीय साहित्यः स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ- के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
12. भारतीय साहित्यः आशा और आस्था-डॉ.आरसु (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
13. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
14. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

Date: 06/05/2022

15. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्राम-केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन,अहमदाबाद)
16. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
17. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ.राम छबीला त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र - 9 हिंदी उपन्यास Core Course-9 (Total Marks –100)

पाठ्य-पुस्तकें :

1. गोदान – प्रेमचंद (राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)
2. दीक्षा-नरेन्द्र कोहली (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. पत्ताखोर-मधु कांकरिया (राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. गायब होता देश-रणेन्द्र (पेंगईन बुक्स, गुड़गांव-122 022)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 गोदान -प्रेमचंद:

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद, प्रेमचंद की उपन्यास-कला, 'गोदान' –एक सामाजिक उपन्यास,

'गोदान' का कथा-शिल्प, 'गोदान' के मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण,

'गोदान' : किसान जीवन की महा कथा के रूप में ।

इकाई-2 दीक्षा-नरेन्द्र कोहली:

ऐतिहासिक उपन्यासकार नरेन्द्र कोहली, 'दीक्षा' में राम-कथा की आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुति।

'दीक्षा' का वस्तु-विन्यास, 'दीक्षा' के प्रमुख पात्र-राम, सीता,विश्वामित्र, सुमित्रा, अहल्या आदि।

इकाई- 3. 'पत्ताखोर' : युवाओं में बढ़ती नशे और ड्रग्स की लत पर आधारित उपन्यास
'पत्ताखोर' मुख्य पात्र-आदित्य, वनश्री,राशि एवम् हेमन्त बाबू
'पत्ताखोर' : कथ्य एवम् शिल्प की दृष्टि से मूल्यांकन।

इकाई- 4. गायब होता देश-रणेन्द्र:

'गायब होता देश': आदिवासी जीवन का दस्तावेज

'गायब होता देश' में चित्रित संकट, संघर्ष और आधुनिकता ।
'गायब होता देश' में भूमंडलीकरण के शिकार आदिवासी
'गायब होता देश' के मुख्य-किशन विद्रोही,सोमेश्वर पहान,अनुजा पहान तथा गौण पात्रों का चरित्र-चित्रण।

इकाई-5 (अ) प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, 'गोदान' की भाषा-शैली, संवाद , उद्देश्य और शीर्षक ।
हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास, 'दीक्षा' की भाषा-शैली, संवाद, उद्देश्य और शीर्षक ।

(ब) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास यात्रा
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास के प्रकार एवं विशेषताएँ |

अंक विभाजनः

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. मधु कांकरिया का रचना-संसार-उषा कीर्ति राणावत, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

Date: 06/05/2022

2. रोहिणी अग्रवाल का आलेख 'झोपड़पट्टी में धड़कती ज़िन्दगी और उलझती समस्याएं' PAHLEEBAR.WORDPRESS.COM/PAGE/12
3. दसवें दशक के हिंदी उपन्यासों में सांप्रदायिक सौहार्द-मंजुला राणा (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष- डॉ.अर्जुन चौहाण
5. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
6. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं. डॉ. महीप सिंह
7. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
8. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
10. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
11. हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
13. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
14. प्रेमचंद-एक विवेचन-डॉ.इन्द्रनाथ मदान
15. प्रेमचंदः एक अध्ययन-राजेश्वर गुरु
16. एक व्यक्ति : नरेन्द्र कोहली- डॉ॰ विवेकी राय,सम्पादन: कार्तिकेय कोहली, क्रिएटिव बुक कंपनी, दिल्ली-९
17. नरेन्द्र कोहली के उपन्यासों का अनुशीलन-डॉ.प्रदीप लाड, अभय प्रकाशन,
18. रामकथा कालजयी चेतना-के.सी.सिंधु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. अभ्युदय-1-नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

==========

प्रश्नपत्र – 10 लोक-साहित्य एवम् आदिवासी विद्रोह तथा पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Core Course-10 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1 लोक-संस्कृति: अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य।

लोक-साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोन्मुखता।

वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।

लोक-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

इकाई-2 लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य-नाट्य, लोक-संगीत।

लोक-गीतः संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।

लोक-नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।

दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का अध्ययन।

इकाई-3 लोक-कथाः व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।

लोक-गाथाः ढोला-मारू, गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी- महीवाल, लोरिक-चंदा, आल्हा-हरदौल।

Date: 06/05/2022

आदिवासी विद्रोह-
1817 का पाइका विद्रोह, 1857 के विद्रोह में गुजरात के आदिवासियों का योगदान
चुआड़ विद्रोह, उलगुलान (मुण्डा) विद्रोह, मानगढ़ का भील विद्रोह।

इकाई-4 विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।
समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि।

इकाई-5 (अ) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण-कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।

(ब) पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार-भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।

अंक-विभाजन-

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय लोक-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. लोक-साहित्य-डॉ.इन्दु यादव (साहित्य रत्नालय, कानपुर)
3. कुंकणा बोली के लोक गीत-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)
4. भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय (साहित्य भवन, इलाहाबाद)
6. लोक-जीवन और साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा (वनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
7. लोक-साहित्य और संस्कृति-दिनेश्वर प्रसाद (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. लोक-साहित्यः सिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा
9. लोकः परंपरा, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. हिंदी पत्रकारिताः स्वरूप और संदर्भ-विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन)
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
12. फीचर लेखनः स्वरूप और शिल्प- डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
13. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
14. पत्रकारिताः विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
15. पत्रकारिताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
16. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
17. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
18. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
19. स्वाधीनता-आंदोलन और स्त्री-मुक्ति-संघर्ष में 'चाँद' का योगदान-डॉ.ज्योति सिंह (उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली)
20. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क - डॉ.तारेश भाटिया
21. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
22. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
23. राम लीला: परंपरा और शैलियाँ (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

Date: 06/05/2022

24. आदिवासी शौर्य एवम् विद्रोह-संपा. रमणिका गुप्ता(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
25. आदिवासी विद्रोह-केदारनाथ मीणा (अनुज्ञ बुक्स)

==========

Date: 06/05/2022